वर्ष-11 | अंक- 10 | भोपाल, 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 तक | पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

किसानों को राहत राशि देने में कोई कमी नहीं करेंगे : मुख्यमंत्री

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस साल अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण किसानों की फसल को नुकसान हुआ। पीला मोजैक और कीट प्रकोप ने भी किसानों को परेशानी में डाला। इसी तरह बारिश के कारण जनहानि, पशुहानि और मकान क्षति से भी किसानों को पीड़ा हुई। ऐसे कठिन हालातों में सरकार ने किसानों को संबल देने में कोई कमी नहीं रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि अतिवृष्टि, बाढ़, कीट प्रकोप से फसल/ मकान क्षति की परेशानियों से जूझ रहे प्रदेश के 23 लाख 81 हजार से अधिक प्रभावित किसानों को अब तक लगभग 1802 करोड़ रुपए की राहत राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि आरबीसी 6(4) के तहत दी गई इस राहत राशि से किसानों को फिर से खड़ा होने में बेहद मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह राशि गत वित्त वर्ष 2024-25 में बांटी गई 660.57 करोड़ रुपए राहत राशि से करीब तीन गुना अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्नदाता किसानों के लिए सरकार के खजाने में धन की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के हर जरूरतमंद किसान को तत्परतापूर्वक सरकार का साथ, सहयोग और संबल दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में 1590.74 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2022-23 में 726.15 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2023-24 में 758.62 करोड़ रुपए राहत राशि सरकार द्वारा वितरित की गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि अतिवृष्टि /बाढ़ एवं पीला मोजैक/कीट व्याधि से फसल हानि के लिए 23 लाख 81 हजार 104 प्रभावित किसानों को 1623.51 करोड़ रुपए राहत राशि दी गई है। प्राकृतिक आपदा से हुई विभिन्न प्रकार की क्षतियों की पूर्ति के लिए राहत के रूप में 178.45 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। इस प्रकार प्रदेश में अतिवृष्टि/बाढ़, पीला मोजैक/ कीट व्याधि से फसल हानि और विभिन्न प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को लगभग 1802 करोड़ रुपए की राहत राशि सरकार द्वारा वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अतिवृष्टि हो या बाढ़, कीट व्याधि हो या कोई और प्राकृतिक आपदा, किसान हर मौसम में फसल नुकसानी का जोखिम उठाते हैं। फसल नुकसानी हुई, तो घर की साल भर की अर्थव्यवस्था बिगड़ जाती है। हमारी सरकार किसानों को ऐसे हालात में कभी अकेला नहीं रहने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की हर कठिनाई में सरकार उनके साथ है। हमारी सरकार किसानों की सरकार है। किसानों का दुख पूरे प्रदेश का दुख है और किसानों के सुख से ही प्रदेश का सुख है। किसानों को हर जरूरी मदद और राहत राशि देने में हम कभी कोई कमी नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए सभी कदम उठाए हैं। हमारी सरकार ने किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, बिजली, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, फसलों पर समर्थन मूल्य और फसल बीमा की राशि का समय पर अंतरण किया है। इससे प्रदेश के किसान भाइयों के मन में एक नया विश्वास, एक नई उम्मीद जागी है।

गौ-शालाओं को विकसित करेंगे गौ-मंदिर के रूप में - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज और सरकार के सहयोग से प्रदेश की गौ-शालाओं को गौ-मंदिर के रूप में विकसित किया जायेगा। गौ-शालाओं में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। गौ-शालाओं के विकास और उनके स्वावलंबन के लिये हर संभव मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को भी प्रोत्साहित किया जायेगा। प्राकृतिक रूप से तैयार उपज पर किसानों को समर्थन मूल्य के साथ ही अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में गौ-शालाओं का संचालन नगरीय निकायों द्वारा सुव्यवस्थित रूप से किया जायेगा। प्रदेश में खुले में विचरण करने वाली निराश्रित गायों को पिंजरे में नहीं बल्कि गौ-शालाओं में सुरक्षित रूप से रखने के प्रबंध कर उनकी बेहतर देखभाल की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को इंदौर जिले के हातोद तहसील के खजूरिया में नगर निगम इंदौर द्वारा स्थापित रेशम केन्द्र गौशाला में आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोवर्धन पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गाय का दूध अमृत है। उसमें सबसे अधिक पोषक तत्व होते हैं। गाय के दूध के सेवन से बीमारियां दूर होती हैं और व्यक्ति स्वयं को स्वस्थ और आनंदित पाता है। गौ-माता दोहरा पोषण करती है। वह अपने बछड़े के पालन के साथ-साथ मानव जाति का भी पोषण करती हैं हर युग में हर आश्रम में गौ-माता पाली जाती थी और जगह-जगह गौ-पालन होता था। परम्परागत रूप से घरों में पहली रोटी गाय के लिये बनाई जाती है।

बालिका महक को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम स्थल पर निर्मित किये गए गोवर्धन पर्वत की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने गोवर्धन पर्वत की साज-सज्जा कर आकर्षक स्वरूप देने वाली बालिका महक शर्मा को सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप उसे 5 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी। साथ ही उन्होंने बालिका को 11 हजार रुपये देने की घोषणा भी की।

गौ-शाला के अखाड़े का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ-शाला में बने अखाड़े का अवलोकन किया। उन्होंने अखाड़े में कुश्ती देखी और पहलवानों का हौसला बढ़ाया और उनके साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अखाड़ों से हमारे पहलवान कृष्ण और बलराम जैसे बनेंगे। आधुनिक दौर में मेट पर कुश्तियां भी हो रही हैं, इस अखाड़े में भी मेट की व्यवस्था की जायेगी। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि गौ-शालाओं के विकास के लिये सभी जनप्रतिनिधि भी आर्थिक सहयोग दें। उन्होंने कहा कि गौ-माता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गौ-माता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। हम अपने बच्चों का जन्मदिन केक काटने की बजाय गौ-शालाओं की सेवा करके मनायें। उन्होंने कहा कि गोबर और गोमूत्र से गौ-शालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किये जाने की जरूरत है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि राज्य शासन द्वारा पहले प्रति गाय के पोषण के लिये जो राशि प्रदान की जाती थी अब उसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। इससे गौ-पालन और गौ-संवर्धन दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि गौ-माता हमारी संस्कृति का प्रतीक है। रेशम केन्द्र की गौशाला को आदर्श गौशाला के रूप में स्थापित किया जायेगा। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम गौ-शाला को बढ़ाने के लिये सतत प्रयासरत है। पहले यहां पर मात्र 630 गाय थी जो आज बढ़कर 2300 से अधिक हो गई है। इस सेवा कार्य में जनता की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि गौ-शाला में नवनिर्मित हॉस्पिटल में आईसीयू सेंटर बनाया गया है, जहां बीमार गाय का ठीक से उपचार किया जाता है।

भाई दूज के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।
भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक यह पर्व हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को सुदृढ़ करता है।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

समाधान ऑनलाइन समीक्षा में 3 निलंबित, 19 पर कार्रवाई

सीएम बोले- जनता के काम में देरी बर्दाश्त नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकारी काम समय पर और सही तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि जो जिले या क्षेत्र शिकायतों में सबसे कम होंगे, उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा और जहां शिकायतें बिल्कुल नहीं होंगी, वहां पुरस्कार भी दिया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन में लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान तीन कर्मचारियों को निलंबित किया गया और 19 के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। पांच कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोक दी गई।

अच्छे कार्य करने वालों की सराहना

गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से कहा कि आम लोगों के हित में दक्षता और तत्परता से काम किया जाए। बीते महीनों में श्रेष्ठ कार्यों के लिए जिला स्तर पर रायसेन और दतिया तथा विभाग स्तर पर ऊर्जा विभाग को पहला स्थान मिला। मुख्यमंत्री ने चार अधिकारियों केके दुबे (उपनिरीक्षक, थाना रावतपुरा, भिंड), वेंकटेश नेरकर (कनिष्ठ अभियंता, ऊर्जा मंडला), डॉ. नंदिता निगम (विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, धार) और कमलेश शुक्ला (सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, सतना)—को सितम्बर माह में सीएम हेल्पलाइन में मिली शिकायतों का 100% समाधान करने के लिए बधाई दी।

जनता के काम में देरी बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि आम लोगों के काम में किसी तरह की देरी न हो। हर काम तय समय पर और पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का मकसद जनता को सुविधा देना है, इसलिए हर अधिकारी को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को सभी जरूरी सुविधाएं समय पर मिलनी चाहिए। अगर किसी भी विभाग या बैंक का कर्मचारी काम में लापरवाही करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी कार्यालय में शिकायतें लंबित न रहें। सभी शिकायतों का जल्द समाधान किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जनकल्याण योजनाओं को सही और पारदर्शी तरीके से लागू किया जाए, ताकि लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। राशन दुकानों के स्थानांतरण को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंच और नगरीय क्षेत्रों में पार्षद की सहमति के बिना कोई बदलाव न किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता और जनप्रतिनिधियों की राय से ही योजनाएं बेहतर तरीके से लागू हो सकती हैं।

लंबित मामलों में कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति, आहार अनुदान, भू-अर्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और शिक्षकों की उपस्थिति से जुड़े लंबित मामलों पर कार्रवाई की।

अनूपपुर: सीता बैगा को आहार अनुदान राशि नहीं मिलने की शिकायत थी। राशि का भुगतान कराते हुए दोषी ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित और सहायक आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी की वेतन वृद्धि रोकी गई।

रीवा: आशीष बहेलिया की लैपटॉप राशि का भुगतान किया गया। अन्य लंबित प्रकरणों में भी तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। दोषी कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन और विभागीय जांच के आदेश दिए गए।

डिण्डौरी: उज्जवल साहू की पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया। पोर्टल की समस्या के कारण विलंब पाया गया, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मंदसौर: योगेश द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना की राशि में विलंब पर अधिकारियों-कर्मचारियों के दायित्व तय कर कार्रवाई के निर्देश।

डिण्डोरी (अरुण यादव): सब्सिडी राशि न मिलने के प्रकरण में बैंक स्टाफ की त्रुटि पाई गई। मुख्यमंत्री ने राशि 97,500 रुपए दिलवाते हुए दोषी बैंक कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के एक अधिकारी और एक कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

धार: छात्रा शिवानी मौर्य के लिए छात्रावास में बिस्तर सामग्री न मिलने की शिकायत पर अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश।

मैहर: संजना पटेल की आईडी अन्य व्यक्ति के आधार से लिंक होने की लापरवाही पर चार कर्मचारियों के खिलाफ वेतन रोक, नोटिस, अन्य कार्यालय में स्थानांतरण और 15 दिन का वेतन काटने की कार्रवाई।

जबलपुर: रामदेवी वर्मन की जननी सुरक्षा योजना राशि का भुगतान; तीन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई।

अशोकनगर: शिवप्रताप बुंदेला को भू-अर्जन मुआवजा 17.25 लाख रुपये का भुगतान। पांच साल की देरी के लिए दोषी पर कार्रवाई।

शिवपुरी: सौरभ किरार को कृषि यंत्रीकरण राशि दिलवाई; एक अधिकारी और तीन यंत्रियों की वेतन वृद्धि रोकी गई।

पता न बताने पर चार युवकों को चाकू मारे: एक का कान गले की नस भी कटी, गंभीर हालत में इलाज जारी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के छोला मंदिर इलाके में बुधवार देर रात बदमाशों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से युवक का कान काट दिया। हमला केवल पता न बताने से नाराज होकर किया गया है। घायल का इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा है। जबकि बीच बचाव करने के दौरान तीन युवक घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक

पंथी (24) शिव नगर में रहता है। शिव नगर में बुधवार की रात को पहुंचा था। यहां उसने कुछ युवकों को खड़ा देखा और अपने परिचित का पता पूछा। घायल के साथी अमित राय ने पुलिस को बताया कि रात को शिव नगर में मोहल्ले में खड़े थे, तभी वहां बदमाश आर्यन सौदा, गोविंद, इरशाद और संदीप सौदा पहुंचे थे, उनके हाथ में चाकू थे, सभी आरोपी इसी इलाके के रहने वाले थे, वह किसी बदमाश को मारने की नीयत से घूम रहे थे।

दोस्त को बचाने पहुंचा था अभिषेक

आर्यन ने किसी व्यक्ति का पता अभिषेक से पूछा था, उसके मना करने पर आर्यन ने गाली गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। यह देख अभिषेक पंथी के साथी अमित राय और दो साथी बीच बचाव करने आ गए। इस दौरान आर्यन ने अभिषेक के गले पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसके गले की नस और कान कट गया और वह लहूलुहान हो गया।

अमित को भी लगा है चाकू

बीच बचाव करने पहुंचे दोस्त अमित राय को भी चाकू लगा है और दो अन्य लोग घायल हुए है। हमला करने के बाद बदमाश वहां से धमकी देकर फरार हो गए।

भाई-बहन के स्नेहिल बंधन और विश्वास की डोर को दृढ़ करने वाले पावन पर्व भैया दूज की सभी को हार्दिक बधाई!
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

30 हजार के लिए फायरिंग, एमपी ऑनलाइन संचालक पर हमला

पुलिस लिखे वाहन से आया था गाड़ी मालिक; 4 राउंड फायर कर भागा

लोकेन्द्र, गाड़ी मालिक

श्याम, फरियादी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के रोशनपुरा में एमपी ऑनलाइन के संचालक को एक युवक ने गोली मार दी। गोली संचालक के कमर को छूती हुई निकली। गाड़ी मालिक ने एक खाते में 30 हजार रुपए ट्रांसफर कराए थे। जब संचालक ने रकम मांगी तो वह कार से राइफल निकालकर लाया और चार राउंड फायर किए। घायल संचालक का नाम श्याम (22) है। उनकी कमर में मामूली चोट लगी है। एक गोली अक्षय ज्वेलर्स की कांच पर भी लगी। सूचना के बाद एडिशनल डीसीपी गौतम सोलंकी सहित तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शहर भर में नाकाबंदी कर दी। गाड़ी के नंबर के आधार पर मालिक की पहचान लोकेंद्र सिंह गुर्जर के रूप में की गई। वाहन भिंड के पते पर रजिस्टर्ड है। उस पर %पुलिस% लिखा था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

फायरिंग से दहशत, दुकानदारों ने दुकानें बंद की

अरेरा हिल्स थाने से 400 मीटर की दूरी पर हुई इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। गाड़ी मालिक ने एक राउंड दुकान के अंदर और तीन राउंड दुकान के बाहर फायरिंग की। हाई-प्रोफाइल इलाके में फायरिंग की घटना के बाद दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं। शहर के सबसे व्यस्त और हाई-प्रोफाइल इलाकों में से एक माना जाता है, जहां दर्जनों ज्वेलरी शॉप हैं। घटना स्थल से गवर्नर हाउस बहुत करीब है।

सफेद स्विफ्ट डिजायर से आया था आरोपी

एमपी ऑनलाइन संचालक श्याम के पिता गोपाल विजयवर्गीय ने बताया कि शाम के समय मैं और मेरा बेटा शॉप पर थे। तभी सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से आए व्यक्ति ने एक बैंक अकाउंट बताया, जिसमें 30 हजार रुपए ट्रांसफर करने की बात कही। बेटे ने उस व्यक्ति के बताए खाते में ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद बेटे ने 30 हजार रुपए कैश देने की बात कही। इस पर गाड़ी मालिक अपनी कार की तरफ गया। कार की पिछली सीट से राइफल निकाली और दुकान के पास आया। बेटे से पीने के लिए एक ग्लास पानी मांगा।

आरोपी ने हवा में दो राउंड किए फायर

पानी पीने के बाद बेटे ने दोबारा उससे 30 हजार रुपए कैश देने को कहा, तब गाड़ी मालिक ने कहा कि 80 हजार रुपए इसी खाते में ट्रांसफर कर दे। जब बेटे ने पहले 30 हजार रुपए देने की बात कही, तब उसने फायरिंग शुरू कर दी। उसने दो राउंड हवा में फायर किए गए।

गोलीकांड में मासूम रिया की मौत का मामला

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोलार रोड स्थित शशि हाईटेक कॉलोनी में 10 साल की मासूम रिया रजक की गोली लगने से हुई मौत के मामले में आरोपी रिटायर्ड डीएसपी श्यामलाल यादव को अग्रिम जमानत मिल गई। वहीं, उसके बेटे की ओर से अब तक कोर्ट में जमानत आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है। मामले की सुनवाई के दौरान पहले यह जमानत आवेदन प्रधान न्यायाधीश की कोर्ट में लगा था, जिसे बाद में अपर सत्र न्यायाधीश विवेक सक्सेना की अदालत में ट्रांसफर किया गया। सुनवाई के दौरान पूर्व डीएसपी की ओर से सीनियर एडवोकेट दीपेश जोशी ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट में तर्क दिया कि पुलिस जांच में यह स्पष्ट है कि गोली श्यामलाल यादव ने नहीं चलाई, बल्कि उनके बेटे से चली थी। साथ ही यह भी कहा गया कि आरोपी रिटायर्ड पुलिस अधिकारी हैं, भोपाल निवासी हैं और जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। इन तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए आदेश दिया कि चालान पेश होने के समय उन्हें 15 हजार रुपए जमानत राशि जमा करनी होगी। वहीं, बेटे की ओर से अब तक जमानत के लिए कोई आवेदन कोर्ट में दाखिल नहीं किया गया है।

कुर्सी पर बैठी थी रिया, अचानक चली गोली

घटना दशहरे के दिन की है, जब रिया रजक अपने घर के बाहर पंडाल में कुर्सी पर बैठी थी। इसी दौरान अचानक चली गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। एफएसएल टीम ने रिटायर्ड डीएसपी श्यामलाल यादव की 315 बोर की राइफल जब्त कर सागर स्थित फॉरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजी थी। जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि रिया को लगी गोली इसी राइफल से चली थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि घटना के समय राइफल से गोली चलाने वाला व्यक्ति डीएसपी का बेटा था।

भोपाल में महिला टीचर ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के शाहपुरा इलाके में शुक्रवार सुबह एक महिला टीचर ने घर के हॉल में फांसी लगा जी। सुबह भाई ने सबसे पहले बहन के शव को फंदे पर लटका देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए रवाना किया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

विधानसभा में पदस्थ हैं पिता

पुलिस के मुताबिक त्रिलंगा कॉलोनी निवासी मोनिका चौपाल पुत्री प्रेम

नारायण बहादुर चौपाल (29) एक निजी स्कूल में टीचर थी। जबकि उसके पिता विधानसभा में पदस्थ हैं। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी और छोटा भाई प्राइवेट जॉब करता है। शुक्रवार सुबह भाई उठा, हॉल में पहुंचते ही उसने बहन के शव को देखा। शोर मचाकर परिजनों की मदद से बॉडी को फंदे से उतारा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी, घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भेज दिया।

सुसाइड नोट में लिखा मर्जी से दे रही हूं जान

तलाशी लेने पर पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से खुदकुशी कर रही है, और उसके परिवार में किसी को परेशान नहीं किया जाए। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पाँच दिवसीय दीपोत्सव के अवसर पर बैतूल निवास पर पधारे जनप्रतिनिधि, नागरिकजनों, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएँ दी।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

सामने वाले को उसी की भाषा में जवाब देते हैं मोदी, ट्रंप को भी कूटनीतिक चाल से दे दी मात

आसियान शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल रूप से शामिल होने के निर्णय ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार असत्य और विवादास्पद बयानों के बीच मोदी का यह कदम केवल एक राजनैतिक निर्णय नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक चाल भी है। जहाँ एक ओर विपक्ष विशेषकर कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि मोदी ट्रंप से मिलने से डर रहे हैं, वहीं वस्तुत: यह निर्णय भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता और आत्मविश्वास का परिचायक है। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में ट्रंप ने कई बार यह दावा किया कि उन्होंने भारत को रूसी तेल खरीदना बंद करने के लिए राजी किया है, या कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रुकवा दिया था। यह ऐसे बयान हैं जिनका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। यह स्पष्ट है कि ट्रंप घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रचार का औजार बना रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का उनसे औपचारिक मुलाकात से बचना भारत की कूटनीति की गंभीरता को बनाए रखने के लिए आवश्यक था। सीधे आमने-सामने मिलना ट्रंप को अपने राजनीतिक प्रचार में भारत के नाम का उपयोग करने का अवसर देता— जो न केवल भारत की तटस्थता बल्कि उसकी वैश्विक छवि को भी प्रभावित कर सकता था। साथ ही मोदी का वर्चुअल रूप से आसियान सम्मेलन में शामिल होना इस राजनीतिक जाल से बचने का संतुलित मार्ग भी है। दूसरी ओर, कांग्रेस का आरोप कि प्रधानमंत्री ट्रंप से डर रहे हैं, वस्तुत: सतही और अव्यावहारिक है। सच्चाई यह है कि मोदी सरकार ने भारत-अमेरिका संबंधों को समान साझेदारी के आधार पर विकसित किया है न कि किसी भय या दबाव के अधीन। वर्तमान निर्णय भी उसी आत्मनिर्भर विदेश नीति का हिस्सा है जहाँ भारत अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखता है। मोदी का आसियान सम्मेलन में वर्चुअल भागीदारी का फैसला न तो अमेरिका से दूरी बनाना है, न ही ट्रंप के प्रति विरोध। यह निर्णय उस संतुलनकारी कूटनीति का हिस्सा है जिसने भारत को रूस और अमेरिका दोनों से समान दूरी बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाया है। भारत आज न तो किसी धुरी का हिस्सा है और न ही किसी के दबाव में झुकता है। जब ट्रंप भारत पर ऊँचे शुल्क लगाते हैं या रूस से तेल खरीदने पर दबाव डालते हैं, तब भी भारत अपने आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए संयम बनाए रखता है। यही रणनीति मोदी ने इस मुलाकात से बचकर अपनाई है— यानी ट्रंप को उनकी ही भाषा में जवाब देना, लेकिन बिना टकराव के। मोदी का आसियान में वर्चुअल उपस्थिति का निर्णय किसी निष्क्रियता का संकेत नहीं है। वर्ष 2014 से लेकर अब तक प्रधानमंत्री ने आसियान के मंच पर भारत की‘ष्ठ श्वड्डह्यह्ल क्कश्चद्यद्बष्4 को निरंतर गति दी है। यह वही नीति है जिसने दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मज़बूत किया है। साथ ही वर्चुअल भागीदारी का अर्थ यह नहीं कि भारत पीछे हट रहा है— बल्कि यह निर्णय दर्शाता है कि भारत तकनीक और संवाद दोनों के माध्यम से वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय बना हुआ है। डिजिटल उपस्थिति ने अब कूटनीति की सीमाएँ बदल दी हैं और मोदी का यह निर्णय उस आधुनिक यथार्थ को स्वीकार करने का संकेत है। साथ ही मोदी के इस निर्णय का सबसे बड़ा प्रभाव भारत की स्वतंत्र वैश्विक छवि के रूप में सामने आएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति से न मिलना यह दिखाता है कि भारत किसी भी देश के राजनीतिक समीकरणों के आगे नहीं झुकता। जहाँ एक ओर ट्रंप एशिया यात्रा में तीन देशों के साथ दिखावटी संपर्क बनाना चाहते हैं, वहीं भारत ने नीतिगत गरिमा को प्राथमिकता दी है। यह संदेश स्पष्ट है— भारत संवाद तो करेगा, लेकिन अपने समय, अपने शर्तों और अपने हितों के आधार पर। प्रधानमंत्री मोदी का आसियान सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने का निर्णय न तो किसी भय का प्रतीक है और न ही अवसर खोने का। यह भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और बहुपक्षीय विदेश नीति का प्रमाण है जहाँ कूटनीति का लक्ष्य केवल मित्रता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गरिमा और संतुलन की रक्षा भी है। दूसरी ओर, ट्रंप की राजनीति आज अनिश्चितता, बयानबाज़ी और घरेलू नाटकीयता से घिरी हुई है। ऐसे में भारत का संयमित रुख ही वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे सामने वाले को उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं— परंतु शांत और रणनीतिक ढंग से। ट्रंप जैसे नेताओं के साथ जो सार्वजनिक बयानबाज़ी और दबाव की राजनीति करते हैं, उनके सामने मोदी ने उसी शैली को उलटकर अपनी शांति, संयम और सधी हुई दूरी के माध्यम से जवाब दिया है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जवाब हमेशा शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से भी दिया जा सकता है। इस बार भी ट्रंप की बयानबाज़ी के जवाब में मोदी ने अपनी उपस्थिति को प्रतीकात्मक बना कर यह दिखा दिया कि भारत किसी भी शक्ति से कम नहीं। दरअसल, यह मोदी का डिप्लोमैटिक मास्टरस्ट्रोक है जिसने ट्रंप को उनके ही खेल में मात दे दी और दुनिया को दिखा दिया कि भारत के प्रधानमंत्री आज वैश्विक राजनीति के सबसे सधे हुए खिलाड़ी हैं।

संपादकीय

बिहार चुनाव: मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुन: स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं।

भारतीय युवा कांग्रेस के नए प्रभारी श्री मनीष शर्मा जी को हार्दिक बधाई! आपके नेतृत्व में युवा ऊर्जा नई दिशा प्राप्त करेगी!युवा आंदोलनों के प्रणेता श्री कृष्णा अल्लावरु जी का योगदान भी अविस्मरणीय रहेगा! आपके प्रयास परिणाम की ओर बढ़ते रहेंगे!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

घर में मिले प्लास्टिक बम और विस्फोटक सामग्री

भोपाल से आतंकी गिरफ्तार त्योहार पर ब्लास्ट की थी प्लानिंग

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली और मध्यप्रदेश में भोपाल से दो संदिग्ध ISIS आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में एक घर से विस्फोटक सामग्री, मोलोटोव कॉकटेल, टाइमर डिवाइस, प्लास्टिक बम और ISIS का झंडा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) निवासी दिल्ली और अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) निवासी भोपाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों त्योहारों पर दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे किसी मॉल या पार्क में आतंकी हमला करने की योजना बना रहे थे। साउथ दिल्ली के एक मॉल समेत कई जगहों की रेकी कर चुके थे।

ISIS की प्रचार सामग्री समेत कई सामग्री जब्त

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा के अनुसार, सादिक नगर स्थित अदनान के घर की तलाशी में तीन मोबाइल, आईएसआईएस से जुड़ा प्रचार सामग्री, रिमोट डेटोनेशन सिस्टम के मैनुअल, प्लास्टिक बम बनाने के निर्देश, मोलोटोव कॉकटेल, एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, ढ्ढस्ढ्ढस् झंडा, 'बेअत' (निष्ठा की शपथ) के दौरान पहने कपड़े और ढ्ढश्वष्ठ टाइमर क्लॉक मिली।

दोनों आतंकी तीन दिन की रिमांड पर

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को ढ्ढस्ढ्ढस् से जुड़े दो आरोपियों, अदनान खान और अदनान, को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि दोनों सीरिया-तुर्की बॉर्डर से संचालित एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में थे।

विदेशी हैंडलर के संपर्क में थे आतंकी

पुलिस के अनुसार, मोहम्मद अदनान पहले भी यूपी एटीएस द्वारा-क्क के तहत 2024 में गिरफ्तार हो चुका था, लेकिन जमानत पर छूटने के बाद उसने दोबारा आतंकी गतिविधियां शुरू कर दीं। वह अपने विदेशी हैंडलर, सीरिया स्थित अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के संपर्क में था। पूछताछ में उसने कबूला कि उसने ISIS खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति निष्ठा की शपथ का वीडियो रिकॉर्ड कर अपने हैंडलर को भेजा था। यह वीडियो पेन ड्राइव से बरामद हुआ।

खिलजी नाम से इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी

दोनों के कई इंस्टाग्राम अकाउंट थे, जिनसे वे उग्रवादी सामग्री साझा कर विदेशी हैंडलरों से संपर्क में रहते थे। अदनान ने इंस्टाग्राम पर खिलजी नाम से एक फेक आईडी भी बना रखी थी। पुलिस कई महीनों से इनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी और दिल्ली व भोपाल (करोंद) में समानांतर जांच चल रही थी। स्पेशल सेल की यह कार्रवाई इंस्पेक्टर सुनील और इंस्पेक्टर धीरज की टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में की। पुलिस अब दोनों के अन्य साथियों और विदेशी नेटवर्क की कड़ियां तलाश रही है।

सीए की पढ़ाई कर रहा था आतंकी अदनान

भोपाल एटीएस और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में करोंद इलाके से दूसरे आरोपी अदनान खान को 18 अक्टूबर को पकड़ा गया। उसने बताया कि वह ऑनलाइन जिहादी कंटेंट से प्रभावित हुआ और पहले भी सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाल चुका था, जिसमें उसने ज्ञानवापी सर्वे करवाने वाले जज को भी धमकी दी थी। पुलिस ने बताया कि मोहम्मद अदनान उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला है और एक मध्यमवर्गीय परिवार से है। उसके पिता ड्राइवर हैं और मां गृहणी। वहीं, भोपाल का अदनान खान भी मध्यमवर्गीय परिवार से है। उसके पिता अकाउंटेंट और मां थिएटर आर्टिस्ट हैं। वह चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रहा था।

रेप केस में 20 लाख लेकर सेटलमेंट का आरोप

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के एमआईजी थाने में पदस्थ रहे टीआई अजय वर्मा को एक जांच में पुलिस कमिश्नर ने दंडित किया है। इसमें उनकी पदोन्नति रोकते हुए उन्हें एसआई बना दिया गया है। यह सजा 2 साल के लिए दी गई है। वहीं, इस जांच में दोषी पाए गए कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक को 5 साल के लिए फिर से आरक्षक बनाया गया है। इंदौर पुलिस कमिश्नर ने 2022 के एक मामले में एमआईजी टीआई रहे अजय वर्मा को उपनिरीक्षक बनाकर दंडित किया है। 2022 में एक महिला ने रवि नाम के व्यक्ति के खिलाफ रेप के मामले में आवेदन दिया था। इस मामले में आरोपी पक्ष से 20 लाख रुपए लेकर पूरे मामले का सेटलमेंट किया गया था। इसमें जांचकर्ता सहायक उपनिरीक्षक धीरज शर्मा थे, वहीं एक अन्य आरक्षक की भूमिका भी संदिग्ध मिली थी। इसके बाद अजय वर्मा का तबादला उज्जैन कर दिया गया। पहले एडिशनल डीसीपी स्तर पर जांच की गई, जिसमें आरक्षक को हटाया गया। इसके बाद टीआई अजय वर्मा और धीरज शर्मा के खिलाफ जांच चली। दोनों की भूमिका जांच में संदिग्ध पाई गई। इस पर वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को आदेश जारी कर टीआई अजय वर्मा को उपनिरीक्षक और धीरज शर्मा को आरक्षक पद पर दंडित कर दिया।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

समाधान ऑनलाइन में लंबित शिकायतों का निराकरण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय कार्य को बेहतर बनाने के लिए नए प्रयोग और नवाचार करें। जिस जिले में कोई शिकायत नहीं होगी, उसे पुरस्कृत किया जाएगा।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

पत्नी बोली- वो जानवरों की तरह पीटता है

पुलिसकर्मी की पिटाई से 2 बार गर्भपात हुआ

न्यूज़ क्राइम फाइल

झूठ बोलकर शादी की। आए दिन सनकी व्यक्ति की तरह पीटता है। जब भी मारता- पेट पर लात मारता। इससे दो बार गर्भपात हो गया। उस दिन भी डंडों से पीटा, बंधक बनाया। इलाज के लिए अस्पताल तक नहीं जाने दिया। सीसीटीवी कैमरे का मेमोरी कॉर्ड निकालकर खून से सने फ्लोर को साफ किया। ये आरोप हैं, रीवा के डीआईजी कार्यालय में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल (हवलदार) राजीव वर्मा की पत्नी सावित्री बर्मन के। पुलिसकर्मी पति ने दीपावली के दिन उससे बर्बरता की। न सिर्फ लाठी-डंडे से पीटा, बल्कि गंभीर घायल होने के बाद भी 24 घंटे से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा। वह इलाज के लिए गुहार लगाती रही, लेकिन अस्पताल तक नहीं जाने दिया। आखिरकार पीड़िता एसपी के पास पहुंची। पति की बर्बरता और घरेलू हिंसा की दास्तान सुनाई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिसकर्मी पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

डर के कारण मायके चली आई

घटना बिछिया थाना क्षेत्र स्थित विंध्याचल कॉलोनी पुलिस लाइन की है। पीड़िता सावित्री बर्मन ने शिकायत की है कि उसका पति राजीव वर्मा, रीवा पुलिस विभाग में पदस्थ है। 19 और 20 अक्टूबर को उसने कमरे में बंदकर पीटा। सावित्री का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने मायके जाने और पूजन के लिए कुछ सामान मांगा था। नाराज पति ने डंडे और बेल्ट से पीट दिया। जब गंभीर चोट आई तो दिनभर उसे कमरे में बंद रखा। डॉक्टर के पास तक नहीं जाने दिया। परेशान होकर उसने हिम्मत जुटाई। 22 अक्टूबर को एसपी के पास पहुंची और पूरी कहानी बताई। पुलिस में केस दर्ज करवाने के बाद डर के मारे रातों रात शहर छोड़कर अपने मायके यानी पन्ना चली आई।

पुलिसकर्मी, राजीव वर्मा

महिला बोली- दहेज के लिए प्रताड़ित किया

सावित्री बर्मन ने बताया- मैं पन्ना जिले के बराछ गांव की रहने वाली हूं। पिता एक सामान्य किसान हैं। उनकी थोड़ी बहुत जमीन है, उसी से रोजी रोटी चल जाती है। मेरे दो भाई हैं। जिनमें एक ट्रक चालक है, जो हमेशा अपने काम की वजह से बाहर ही रहता है। एक भाई मानसिक रूप से कमजोर है। मेरी शादी साल 2016 में राजीव से हुई थी। कुछ समय तक तो सब ठीक रहा, फिर पति दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर मैंने कानूनी मदद ली। मामला पन्ना के कुटुंब न्यायालय तक पहुंचा।

7 साल तक मामला अदालत में चला। न्यायालय ने मेरे पक्ष में फैसला किया। 7 हजार रुपए महीना खर्चा देने की बात हुई तो राजीव ने जज साहब से माफी मांगी और मुझे अच्छे से रखने को कहा। समझौते के बाद मुझे रीवा लेकर आ गए।

दीपावली के एक दिन पहले डंडे से पीटा

पीड़िता ने बताया- दीपावली के एक दिन पहले पति राजीव वर्मा, मेरी सास के साथ सतना शहर स्थित अपने घर जा रहे थे। घर में दीपावली के लिए न तो कोई पूजन सामग्री थी और न ही राशन। मैंने कहा कि मुझे भी अपने साथ सतना ले चलिए। भले फिर वहां से पन्ना अपने मायके चली जाऊंगी। यदि साथ नहीं ले जाना चाहते तो यहीं पर पूजन और खाने-पीने की सामग्री की व्यवस्था कर दो।

इतना सुनते ही राजीव आगबबूला हो गया। उसने कहा कि इस घर में पूजा पाठ करना या मुझसे इस तरह की बात करना तेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। तूने इतनी बात करने की हिम्मत कैसे की। इतना कहकर मुझे पीटने लगा। पहले गाल पर चांटे मारे और फिर डंडे पीठ पर बरसाए। इसके बाद कमर पर ऐसे डंडे मारे, जैसे पुलिस किसी अपराधी को मारती है। इतना ही नहीं, बाल खींचे और फिर पैरों में भी इतनी बुरी तरह मारा कि मैं चल तक न पाऊं। अचानक सिर पर डंडा मारा, जिससे सिर फट गया और खून की धार निकलने लगी। कुछ ही देर में मैं बेहोश हो गई। पति ने मुझे जिस तरीके से पीटा, वैसा सलूक तो कोई जानवर के साथ भी नहीं करता है।

समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं

सावित्री ने बताया- मारपीट के बाद मैं पूरी तरह से मरणासन्न स्थिति में थी। थोड़ी देर बाद मुझे होश आया। समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं? आखिरकार मेरा कसूर क्या था, जिसकी सजा मुझे भुगतनी पड़ रही थी। चारों तरफ फ्लोर पर खुद के खून को आधी खुली आंखों से देखकर रो रही थी। सांसें और धड़कन दोनों डर की वजह से और तेज चल रही थीं। वो दरिंदा भी वहीं पर मौजूद था। खाली पेट घायल हालत में मुंह से हां और हूं तक नहीं निकाल पा रही थी। अचानक राजीव आया, मुझे घसीटते हुए किनारे पर ले गया। इसके बाद फर्श पर बहे खून को रगड़ कर पानी से साफ करने लगा। सावित्री ने कहा- मुझ पर नजर रखने के लिए राजीव ने घर के हॉल से लेकर कमरे तक सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। मेरे साथ बर्बरता और मारपीट की पूरी घटना इनमें कैद हो गई।

कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक पर्व गोवर्धन पूजा के पावन उपलक्ष्य पर आज मल्हारगढ़ विधानसभा अंतर्गत श्री गुरुदेव कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला लामगरी/नगरी में आयोजित जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन कार्यक्रम में सहभागिता कर भगवान गोवर्धन एवं गौमाता की पूजा अर्चना की एवं प्रभु से समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं आरोग्यमय जीवन हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर जी, लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता जी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित जी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया जी सहित अन्य जनप्रतिनिधि-पदाधिकारी, कार्यकर्ता बन्धु, गौशाला के पदाधिकारी एवं अन्य वरेण्यजन उपस्थित रहे।

बिहार के युवाओं के सपने और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम संकल्पबद्ध है। मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के जरिए राज्य के युवा साथियों से संवाद उत्साहित करने वाला है।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

7 दिन में सोने की कीमत रू.9,356 घटी, चांदी में रू.31 हजार की गिरावट

भारत में सोना एक दिन में 1,836 और चांदी 4,417 सस्ती

न्यूज क्राइम फाइल

सोने की कीमत एक हफ्ते में रू.9,356 रुपए घटकर रू. 1,21,518 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। 17 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आज 24 अक्टूबर को सोने की कीमत में 1,836 रुपए की गिरावट हुई। इससे पहले गुरुवार को इसके दाम 1,23,354 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी में 4,417 रुपए की गिरावट देखने को मिली और 1,47,033 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। कल इसकी कीमत रू.1,51,450 प्रति किलोग्राम थी। ये अपने ऊपरी स्तर से चांदी रू.31,067 सस्ती हुई है। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट के कारण

भारत में सीजनल बाइंग का खत्म होना- दीवाली जैसे फेस्टिवल के बाद इंडिया में सोने-चांदी की खरीदारी का सिलसिला थम गया। इससे सोना-चांदी की डिमांड में कमी आई है।

ग्लोबल टेंशन में कमी- सोना-चांदी को %सेफ-हेवन% माना जाता है, यानी मुश्किल वक्त में लोग इन्हें खरीदते हैं। ग्लोबल टेंशन के कम होने से इसमें गिरावट आई है।

प्रॉफिट-टेकिंग और ओवरबॉट सिग्नल- रैली के बाद निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स दिखा रहे थे कि कीमतें ओवरबॉट जोन में पहुंच चुकी थीं। इसलिए ट्रेंड फॉलोअर्स और डीलर्स ने बिकवाली शुरू कर दी है।

इस साल सोना 45,356 और चांदी 61,016 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 45,356 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,21,518 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 61,016 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,47,033 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

1. ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे: सोना एक फिजिकल चीज है, तो इसे ले जाने में खर्चा लगता है। ज्यादातर आयात हवाई जहाज से होता है। फिर सोने को अंदरूनी इलाकों तक पहुंचाना पड़ता है। ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में फ्यूल, सिक्योरिटी, गाड़ी, स्टाफ का पैसा वगैरह शामिल होता है।

2. सोने की खरीदारी की मात्रा: सोने की डिमांड शहर और राज्य के हिसाब से अलग-अलग होती है। साउथ इंडिया में भारत की कुल सोने की खपत का करीब 40% हिस्सा है। यहां सेलर्स बल्क में सोना खरीदते हैं जिससे दाम कम होते हैं। वहीं टियर-2 शहरों में दाम ज्यादा।

3. लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: जैसे तमिलनाडु में सोने का रेट ज्वेलर्स एंड डायमंड ट्रेडर्स एसोसिएशनतय करता है। इसी तरह देशभर में कई और एसोसिएशन हैं जो दाम तय करते हैं।

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने कन्फर्म किया, कहा- नई टीम का ऐलान जल्द करेंगे

पाकिस्तान भारत में होने वाले जूनियर हॉकी वर्ल्डकप से हटा

न्यूज क्राइम फाइल

पाकिस्तान की टीम भारत में 28 नवंबर से होने जा रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से हट गया है। इंटरनेशनल हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। FIH ने एक बयान में कहा- %पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि उसकी टीम इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम खेलेगी, इसका ऐलान जल्द किया जाएगा। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप का आयोजन चेन्नई में खेला जाएगा। पाकिस्तान को पूल बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है। भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था। भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था।

हॉकी एशिया कप से भी हट गया था पाकिस्तान पाकिस्तान ने पिछले महीने बिहार के राजगीर स्टेडियम में आयोजित हॉकी एशिया कप से भी नाम वापस ले लिया था। ओमान भी हट गया था। उनकी जगह बांग्लादेश और कजाकिस्तान को टूर्नामेंट में जगह दी गई थी।

भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर हॉकी एशिया कप का टाइटल जीता था। भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर हॉकी एशिया कप का टाइटल जीता था।

टीम इंडिया ने नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार किया भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी ,ष्ट चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए फाइनल से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया था। टूर्नामेंट में 3 बार दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ। एशिया कप के बाद भारतीय विमेंस टीम ने भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। संघ से लेकर संगठन और सरकार तक, भैरों सिंह शेखावत जी ने हर दायित्व को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

भिंड: 50 हजार सैलरी पर हथियार बनाने के लिए रखे कर्मचारी

भिंड में अवैध कट्टे बनाने की फैक्ट्री पकड़ाई; 12 देसी कट्टों के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

भिंड में अवैध रूप से कट् ?टा बनाने की फैक्ट्री पकड़ाई है। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 12 देसी कट्टे, 3 जिंदा कारतूस और हथियार बनाने का सामान जब्त किया। पुलिस ने ये कार्रवाई दीवाली पर (मंगलवार) को की है। शुक्रवार को एसपी डॉ. असित यादव और एएसपी संजीव पाठक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी है। मुख्य आरोपी अभी फरार है। खास बात यह है कि यूपी से दो कारीगरों को 50 हजार रुपए महीने के हिसाब से कट्टा बनाने के लिए बुलाया गया था। मामला थाना मौ और मेहगांव क्षेत्र के बीच रूपावई के पुरा गांव का है। यहां अवैध रूप से कट्टा बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। मंगलवार 21 अक्टूबर को बरोही थाना प्रभारी अतुल

भदौरिया को सूचना मिली थी कि अमलेंडी तिराहे पर एक व्यक्ति बाइक से अवैध हथियार लेकर बेचने के लिए जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 1 देसी कट्टा (32 बोर), 3 कट्टे (315 बोर) और 3 जिंदा कारतूस मिले।

आरोपी ने बताया- मकान में चल रही फैक्ट्री

आरोपी ने बताया कि वह चार साथियों के साथ रूपावई के पुरा गांव में खेत में बनी तिवरिया पर अवैध हथियार फैक्ट्री चला रहा था। उन्होंने जगह के मालिक को 20,000 रुपए महीने का किराया दिया था, जबकि उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से दो कारीगरों को ?50,000 प्रति महीने पर कट्टे बनाने के लिए बुलाया गया था। फैक्ट्री में अब तक 22 देसी कट्टे बनाए जा चुके थे, जिनमें कुछ 32 बोर और कुछ 315 बोर के थे। पुलिस ने फैक्ट्री से कुल 12 कट्टे, 3 कारतूस, एक होण्डा साइन मोटरसाइकिल और कट्टा बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले सामान जब्त किए हैं। इसमें ड्रिल मशीन, ब्लोवर मशीन, ग्राइंडर पत्ते, छड़ें, हथौड़े, फनर पत्तियां और लोहे की जाली शामिल हैं।

कृषि मंत्री कंसाना बोले- भरपाई सरकार करेगी, 9.36 लाख किसानों ने पंजीयन कराया

किसानों को भावान्तर का पैसा देने लोन लेगा मंडी बोर्ड

न्यूज क्राइम फाइल

सोयाबीन की उपज पर किसानों को भावान्तर का लाभ देने के लिए प्रदेश का कृषि उपज मंडी बोर्ड लोन लेगा और इसके बाद किसानों को उपज के लिए तय किए जाने वाले मॉडल रेट के अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा है कि मंडी बोर्ड द्वारा लिए जाने वाले ऋण की भरपाई भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा तय समय अवधि में की जाएगी। इस योजना से मंडी बोर्ड पर किसी तरह का अतिरिक्त व्यय भार नहीं आएगा। मंत्री कंसाना ने कहा है कि भावांतर भुगतान योजना भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान अंतर्गत प्राईस डिफिसिट स्कीम के अंतर्गत संचालित की जा रही है। प्रदेश के किसानों की खरीफ 2025 में पैदा हुए सोयाबीन को मंडियों में नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से बेचने पर बेची गई कीमत और मॉडल प्राईस से प्राप्त राशि एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य के अंतर की राशि की भरपाई मध्यप्रदेश सरकार करेगी।

उन्होंने कहा कि इस योजना में समर्थन मूल्य तथा मॉडल प्राईस की भावांतर की राशि का भुगतान भारत सरकार, राज्य सरकार द्वारा किया

जाएगा। मंडी समिति में किसानों द्वारा अपनी सोयाबीन उपज नीलामी किए जाने के बाद व्यापारी द्वारा राशि का भुगतान उसी दिन किसान को किया जाएगा।

किसानों को शासन द्वारा देय भावांतर राशि का भुगतान समय-सीमा में करने के लिए मंडी बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप से ऋण की व्यवस्था की जाएगी, जिसकी भरपाई भारत सरकार, राज्य सरकार द्वारा तय समय अवधि में की जायेगी। इस योजना के तहत मंडी बोर्ड पर किसी तरह का अतिरिक्त व्यय-भार नहीं आयेगा। बता दें कि प्रदेश के 9.36 लाख किसानों ने सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है।

मंडियों में शुरू हो गई सोयाबीन की खरीद

उधर प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में आज से सोयाबीन की खरीद शुरू हो गई है। सरकार ने 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक सोयाबीन भावान्तर योजना लागू की है और इस अवधि में बेची जाने वाली सोयाबीन में कम दाम के अंतर की राशि का भुगतान सरकार द्वारा करने के लिए कहा गया है। सरकार ने कलेक्टरों से कहा है कि सोयाबीन खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करें, जिसके बाद जिलों में निरीक्षण भी शुरू हो गया है। कलेक्टरों ने किसानों से कहा है कि अपनी सोयाबीन एवं मक्का की उपज को सुखाकर लाएं, जिससे खरीदी में परेशानी का सामना न करना पड़े। मंडी प्रशासन से कहा गया है कि सभी मंडियों में अतिरिक्त काउंटर लगाएं जिससे समय पर खरीदी हो सके। किसानों की सुविधा के लिए मंडी परिसर में सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। जिसमें विशेष रूप से छाया, पानी एवं माइक सिस्टम लगाए साथ में साइन बोर्ड लगाने के लिए कहा गया है। जिलों में किसानों की सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात करने और बेरिकेडिंग भी कराने के निर्देश दिए गए हैं।

8.53 लाख किसानों का रजिस्ट्रेशन

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा उपार्जन के लिए इस वर्ष 8 लाख 53 हजार 911 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले वर्ष 7 लाख 84 हजार 845 किसानों ने पंजीयन कराया था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष विगत वर्ष की तुलना में लगभग 69 हजार अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। धान उपार्जन के लिये 8 लाख 47 हजार 830, ज्वार के लिये 2601 और बाजरा के लिये 5 हजार 545 किसानों ने पंजीयन कराया है। उन्होंने बताया है कि धान का समर्थन मूल्य 2369 रुपए, ज्वार का 3699 और बाजरा का 2775 रुपए है।

गुजरात के मेरे सभी भाई-बहनों को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। यह नववर्ष आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां, समृद्धि और नया उत्साह लेकर आए।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

शिवराज बोले- महागठबंधन फिर अंधेरे के दौर में ले जाएगा

बिहार की चुनावी सभा में कहा-आरजेडी में आर का मतलब-रंगबाज, जे-जंगलराज, डी-डकैती

न्यूज क्राइम फाइल

केन्द्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार में चुनावी सभा में आरजेडी का फुल फॉर्म बताते हुए कहा कि ऋछ्ष्ठ का मतलब ऋ- रंगबाज, छ्- जंगलराज, ष्ठ- डकैती। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, महागठबंधन वाले बिहार को फिर उसी अंधेरे दौर में ले जाना चाहते हैं, जब राज्य में अपराध और गुंडागर्दी का बोलबाला था। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि RJD और महागठबंधन अभी भी बदले नहीं हैं। शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देकर उन्होंने अपना असली चेहरा दिखा दिया है। बिहार की दो विधानसभा सीटों बैकुण्ठपुर और गौराबौराम में शिवराज ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार का चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। ये धर्म और अधर्म के बीच लड़ाई है। यहां आरजेडी की सरकार में अपराधी खुलेआम घूमते थे, जंगलराज में आम जनता की जिंदगी सुरक्षित नहीं थी। उन्होंने कहा महागठबंधन वाले बिहार में फिर से खून की नदियां बहाना चाहते हैं। क्या हाल किया था तुमने बिहार का माफिया, अपराधी, गुंडे, बदमाश,

आम आदमी की जिंदगी दूभर हो गई थी। वो चाहते हैं जंगलराज, लेकिन NDA चाहता है मंगल राज जहां जनता का मंगल और कल्याण हो।

महागठबंधन भस्मासुर है

केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि याद रखना ये महागठबंधन नहीं महाठग बंधन हैं, ये भस्मासुर हैं। अगर गलती से भी इन्हें वरदान मिल गया, अगर वोट मिल गए तो सबसे पहले ये जनता को ही भस्म कर देंगे, छोड़ेंगे नहीं। भस्मासुर ने वरदान लेकर अपने ही मददगारों को नष्ट कर दिया, महागठबंधन भी ऐसी ही विनाशकारी नीति और व्यवहार लेकर आता है। उन्होंने कहा कि बिहार की वोटर लिस्ट में कई गलत नाम जुड़े हुए थे और उनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम भी शामिल थे। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की शुद्धि की और गलत नाम काट दिए। अब जो भी विदेशी घुसपैठिए हैं, उन्हें चिह्नित कर बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने वोट पाने के लिए घुसपैठियों को लाभ पहुंचाया और कई जगह मतदाता सूची में अनियमितता हुईं। इन मामलों में कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

हम बिहार में रामराज चाहते हैं

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विपक्षी दल बिहार को फिर से जंगलराज की ओर ले जाना चाहते हैं, जबकि एनडीए का लक्ष्य रामराज स्थापित करना है। रामराज का मतलब है शानदार सड़कें, किसानों के खेतों में पानी और बच्चों के लिए अच्छे स्कूल। रामराज का मतलब है हमारे बच्चे IIT, IIM में पढ़ें, रामराज का मतलब है यहां AIIMS जैसे अस्पताल बनें, रामराज का मतलब है गांव में शानदार सड़कें बनें, रामराज का मतलब है गांव में 24 घंटे बिजली आए। यही है असली रामराज है, जहां बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, गांवों में शानदार सड़कें बनें है। खेतों में पानी पहुंचे, बिजली आए और बहनों के खाते में रोजगार के लिए 10 हजार रुपए सीधे जाएं।

आधी बारात जेल में हैं और आधी बेल पर

केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि यूपीए की सरकार याद करो, जब लालू रेल मंत्री हुआ करते थे। उस समय नौकरी के बदले जमीन ली जाती थी। अब वही लोग कह रहे हैं कि हर घर में नौकरी देंगे। ये पब्लिक है, सब जानती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ऐसे बाराती हैं जिनकी आधी बारात जेल में हैं और आधी बेल पर हैं। शिवराज सिंह ने लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने स्कूल भी खोले तो चरवाहा विद्यालयखोला। बिहार को चरवाहा बनाना चाहते थे और चरवाहा विद्यालय में भी घोटाला कर दिया। चारा तक खा गए, क्या-क्या दिया है इन्होंने बिहार को। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज बिहार में शिक्षा और विकास की नई रोशनी फैली है।

कार्बाइड गन के उपयोग पर प्रतिबंध सख्ती से लागू करें

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कमिश्नर तथा कलेक्टर्स से कहा है कि प्रदेश में कार्बाइड गन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसलिए अधिकारी ध्यान रखें कि इसका उपयोग कहीं न हो। त्यौहारों और वैवाहिक कार्यक्रमों में खासतौर पर इसके लिए निगरानी कराएं ताकि किसी तरह के नुकसान की स्थिति न बने। कार्बाइड गन की बिना लाइसेंस के बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। इसके विक्रय और भण्डारण पर प्रतिबंध लगाएं। सीएस जैन ने ये बातें शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ली गई

बैठक में दिए। मुख्य सचिव जैन ने बैठक में कार्बाइड गन से पीड़ितों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्बाइड गन का उपयोग करते समय घायल हुए पीड़ितों को समुचित उपचार की सुविधा दें। उन्हें आवश्यक जांच और दवाएं उपलब्ध कराएं। यदि आवश्यक हो तो गंभीर रोगी को एयर एम्बुलेंस की सहायता से बड़े अस्पतालों में भेजने की व्यवस्था करें। इसके साथ-साथ कार्बाइड गन की बिना लाइसेंस के बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। इसके विक्रय और भण्डारण पर प्रतिबंध लगाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि त्यौहारों और विवाह समारोह में भी कार्बाइड गन का उपयोग प्रतिबंधित करें। विस्फोटक बिक्री के लाइसेंस धारकों की दुकानों और गोदाम का निरीक्षण करके अवैध रूप से भंडारित कार्बाइड गन तथा अन्य विस्फोटकों के पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहें।

पुरानी दिल्ली की मशहूर और ऐतिहासिक घंटेवाला मिठाइयों की दुकान पर इमरती और बेसन के लड्डू बनाने में हाथ आज़माया।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

गुर्जर-लोधी नाराजः टीम खंडेलवाल में जगह नहीं मिली तो बोले- बीजेपी के लिए सालों से चप्पल घिस रहे

'जाति-समाज बैलेंस' नहीं कर पाए खंडेलवाल

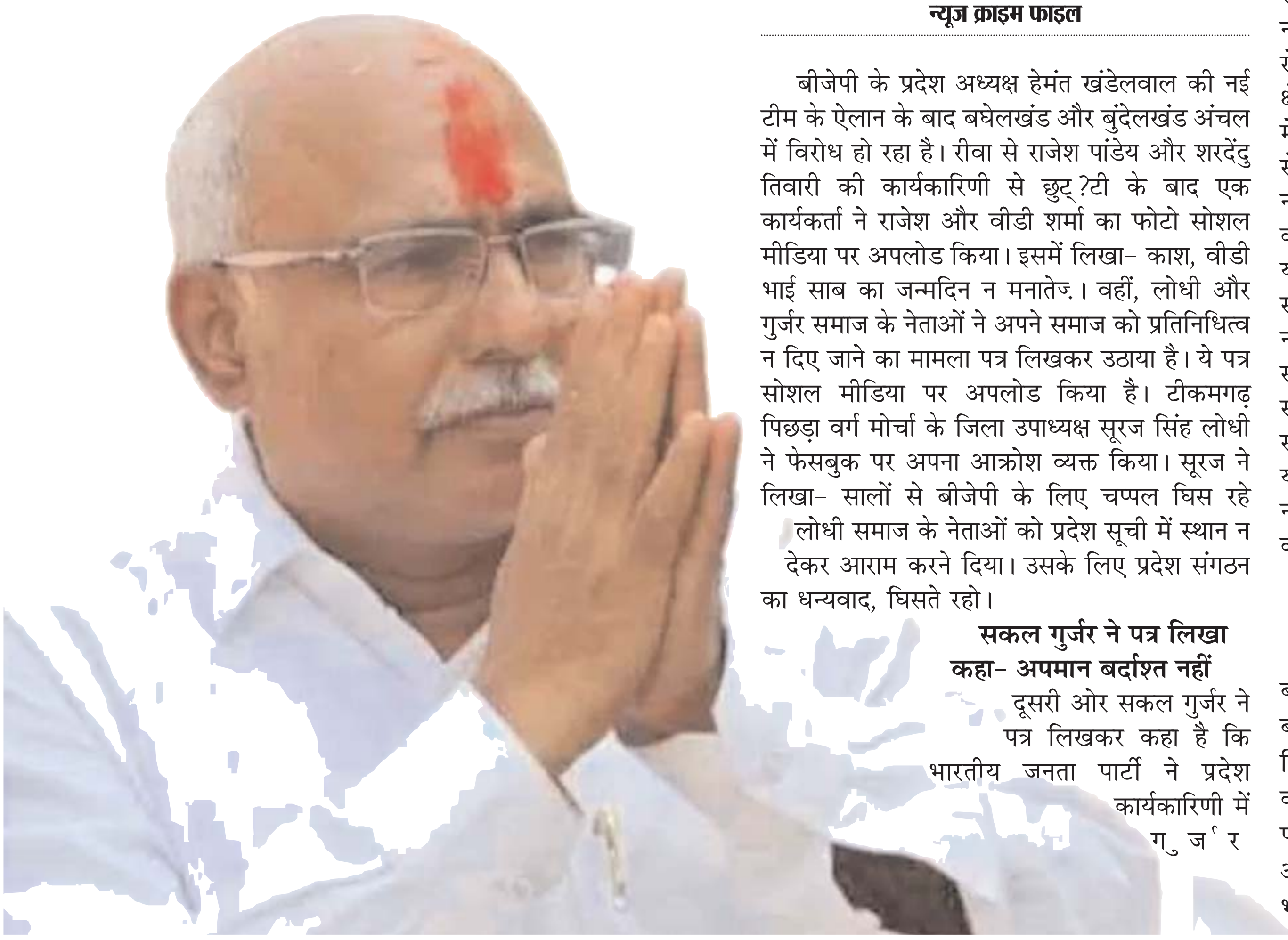

न्यूज क्राइम फाइल

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की नई टीम के ऐलान के बाद बघेलखंड और बुंदेलखंड अंचल में विरोध हो रहा है। रीवा से राजेश पांडेय और शरदेंदु तिवारी की कार्यकारिणी से छुट्?टी के बाद एक कार्यकर्ता ने राजेश और वीडी शर्मा का फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड किया। इसमें लिखा- काश, वीडी भाई साब का जन्मदिन न मनातेज्। वहीं, लोधी और गुर्जर समाज के नेताओं ने अपने समाज को प्रतिनिधित्व न दिए जाने का मामला पत्र लिखकर उठाया है। ये पत्र सोशल मीडिया पर अपलोड किया है। टीकमगढ़ पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सूरज सिंह लोधी ने फेसबुक पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। सूरज ने लिखा- सालों से बीजेपी के लिए चप्पल घिस रहे लोधी समाज के नेताओं को प्रदेश सूची में स्थान न देकर आराम करने दिया। उसके लिए प्रदेश संगठन का धन्यवाद, घिसते रहो।

सकल गुर्जर ने पत्र लिखा कहा- अपमान बर्दाश्त नहीं

दूसरी ओर सकल गुर्जर ने पत्र लिखकर कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश कार्यकारिणी में गुर्जर समाज को प्रतिनिधित्व नहीं दिया है। ये अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे गुर्जर समाज में आक्रोश और रोष है। प्रदेश के 18 लोकसभा और 131 विधानसभा क्षेत्र में गुर्जर समाज के लोग रहते हैं, जो बड़ी संख्या में भाजपा से जुड़े हैं। निर्णायक गुर्जर समाज के 5 हजार से 65 हजार तक मतदाता होने के बाद भी प्रतिनिधित्व न देना आश्चर्यजनक है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की लोकसभा में विजय दिलाने में गुर्जर समाज का बड़ा योगदान रहा है, जब उन्होंने उपचुनाव लड़ा था। ये पत्र सकल गुर्जर समाज के प्रदेश संयोजक रमेश गुर्जर के नाम से जारी किया गया है। पत्र में कहा है कि उनके समाज को स्थान न दिया जाना गुर्जर समाज का सार्वजनिक अपमान है। गुर्जर समाज को न जिले में सम्मान मिला और न प्रदेश की कमेटी में मिला। इससे यह साफ है कि भाजपा को गुर्जर समाज की जरूरत नहीं है। अगर बीजेपी गुर्जर समाज का यूं ही अपमान करेगी तो समाज इसका जमकर विरोध करेगा।

सोशल मीडिया पर लिखा- काश! वीडी शर्मा का जन्मदिन न मनाते

सोशल मीडिया पर एक अन्य यूजर अर्पित पांडेय ने बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और रीवा के बीजेपी नेता राजेश पांडेय का फोटो अपलोड करते हुए लिखा है कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की कार्यकारिणी में रीवा और सीधी के जो प्रदेश पदाधिकारी थे वे अब कमेटी में नहीं रहे। साथ ही एक अन्य पोस्ट में लिखा है कि राजेश पांडेय, काश, वीडी भाई साब का जन्मदिन न मनाते।

सीएम मोहन यादव बोले- राहुल गांधी को डूब मरना चाहिए

न्यूज क्राइम फाइल

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष ताबड़तोड़ प्रचार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को पश्चिम चंपारण शेरा बाजार खेल मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उनका केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे समेत अन्य मंचासीन नेताओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, %राहुल गांधी और कांग्रेस को डूब मरना चाहिए। विदेश में जाकर देश का अपमान करते हैं और सेना के पराक्रम पर सबूत मांगते हैं। प्रधानमंत्री के जरिए भाजपा ने राष्ट्रपति मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। महादलित आयोग भाजपा ने बनाया। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा पीएम मोदी ने दिया।

कांग्रेस-राजद वादे करने वाली पार्टियां

ऐसे नेता को जिताइए जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हमेशा खड़ा रहता है। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां सिर्फ वादे करती हैं, जबकि भाजपा जनता के विश्वास और राष्ट्रहित के लिए काम करती है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी सरकार

इधर, केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से सरकार बनेगी। 2005 से पहले बच्चे-बच्चियां स्कूल नहीं जाते थे। नीतीश कुमार के आने के बाद शिक्षा- व्यस्था में सुधार हुआ। आज मुख्यमंत्री साइकिल योजना से बच्चे ट्रिन-ट्रिन करते पढ़ने जाते हैं। लोगों को सड़क और बिजली मिली।

खुर्शीद फिरोज पर संजय जायसवाल ने कसा तंज

इस दौरान भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने जदयू के पूर्व मंत्री खुर्शीद फिरोज अहमद पर तंज कसते हुए कहा कि 2020 में भाजपा ने चुनाव प्रचार हर जगह बड़े जोश और मजबूती से किया, लेकिन सिकटा विधानसभा क्षेत्र में प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि उस समय सिकटा से नकामा लूटेरा प्रत्याशी चुनाव में खड़ा था, जो सड़क तक को डकार जाता था। सांसद ने आगे कहा कि जनता अब ऐसे नेताओं की वास्तविक छवि को भली-भांति समझ चुकी है और विकास, रोजगार और जनहित के मुद्दों पर ध्यान दे रही है।

आज माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव जी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में सम्मिलित हुआ।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

रिटायर्ड आबकारी अधिकारी के लॉकर से मिला...2.35 करोड़ का सोना

इंदौर में लोकायुक्त ने अब तक 3 करोड़ से ज्यादा का गोल्ड किया बरामद

न्यूज क्राइम फाइल

धर्मेंद्र सिंह भदौरिया

इंदौर के रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया से एक बार फिर करीब पौने 4 करोड़ रुपए कीमत का सोना मिला है। लोकायुक्त ने यह सोना धर्मेंद्र भदौरिया की बेटी अपूर्वा, बेटे सूर्यांश और बहू मिनी शुक्ला भदौरिया के लॉकर से निकाला है। शुक्रवार को कैनरा बैंक (देवास नाका) का लॉकर खोला गया। यह लॉकर धर्मेंद्र की बेटी अपूर्वा के नाम से है। टीम ने यहां से 1.5 करोड़ कीमत का सोना और एचडीएफसी बैंक से 2 करोड़ 35 लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण निकाले हैं। लोकायुक्त को लॉकर खोलने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। धर्मेंद्र सिंह ने अफसरों पर वकीलों के माध्यम से दबाव बनाने की भी कोशिश की। बता दें कि धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के कैलाश कुंज स्थित अपार्टमेंट पर लोकायुक्त ने सबसे पहले छापा मारा था। इस दौरान 80 लाख रुपए का सोना बरामद किया गया था।

लोकायुक्त से छिपकर सोना निकालना चाहता था भदौरिया

सूत्रों के मुताबिक धर्मेंद्र सिंह भदौरिया जानता था कि लॉकर में हीरे जड़ित करोड़ों के आभूषण है। वह खुद लोकायुक्त को चकमा देकर आभूषण निकालने की फिराक में था। उसने वकीलों को भेज कर बैंक अफसरों से कहा कि अपूर्वा ही लॉकर ऑपरेट करेगी। अफसरों ने बताया लॉकर तो फ्रीज कर दिया है। कैनरा बैंक में निरीक्षक रेणु अग्रवाल ने कार्रवाई की और 1 किलो 658 ग्राम वजनी आभूषण निकाले। एचडीएफसी बैंक में डीएसपी सुनील तालान ने कार्रवाई कर 2 किलो सोने और हीरे के आभूषण निकाल लिए।

नौकरी के दौरान दो बार निलंबित हो चुका भदौरिया

नौकरी में आने के बाद से ही धर्मेंद्र सिंह भदौरिया की कार्यशैली विवादित रही है। वह दो बार निलंबित हो चुका है। वह इंदौर, ग्वालियर, खंडवा, धार और अलीराजपुर जैसी जगहों पर पदस्थ रहा है। लंबे समय से वह अलीराजपुर में ही पदस्थ था। मध्य प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ और धार जिले गुजरात की अवैध शराब लाइन संचालन के सबसे अहम इलाके हैं। इस लाइन में भदौरिया की सालों से पकड़ रही है। इसी के चलते उसकी एक नहीं, दर्जन भर शिकायतें हो चुकी हैं।

नौकरी में रहते हुए ही बन गया था पेटी कॉन्ट्रेक्टर

आबकारी विभाग के सूत्रों ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह भदौरिया ने अलीराजपुर का ठेका लेने वाले रिंकू भाटिया के साथ पेटी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए हिस्सेदारी की थी। उसने जिले का पूरा शराब का धंधा ही पर्दे के पीछे से कब्जे में ले लिया था। भदौरिया ऐसा अधिकारी है, जो सरकारी नौकरी के पेरेलल गुजरात की अवैध शराब लाइन को भी चलाने वाले के साथ काम करता रहा है। इसी के चलते उसने अकूत दौलत कमाई है।

डबल मर्डर: घर से निकालकर भाई-भाभी को चाकुओं से गोदा

जबलपुर में छोटे भाई ने प्रॉपर्टी विवाद में मार डाला, सीसीटीवी फुटेज में दिखा हत्याकांड

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर में एक शख्स ने अपने भाई-भाभी की बीच सड़क पर हत्या कर दी। इसके बाद भाग निकला। वारदात की वजह प्रॉपर्टी विवाद बताया जा रहा है। घटना घमापुर थाना क्षेत्र के बल्दी कोरी दफाई में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे की है। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। दथाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को ने दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने बताया कि बबलू चौधरी और उसका बड़ा भाई संजय चौधरी पैतृक मकान के दो हिस्से कर रहे थे। इसी मकान के पीछे उनके दादा रामलाल की जमीन भी है। इस जमीन पर संजय ने मकान बनवा लिया था। बबलू का कहना था कि दादा की जमीन पर उसका भी हक है। इसी बात को लेकर करीब एक महीने से दोनों भाइयों के बीच विवाद चल रहा था। कई बार दोनों के बीच झगड़े हुए। पड़ोसियों ने दोनों को समझाइश दी, लेकिन विवाद सुलझा नहीं।

चाकू लेकर घर के बाहर पहुंचा, भाई को बुलाया

बबलू हाथ में चाकू लेकर संजय के घर पहुंचा। गाली देते हुए संजय को बाहर बुलाया। संजय जैसे ही बाहर आया, बबलू ने हमला कर दिया। संजय के गंभीर घायल होने के बाद बबलू घर में घुसा और भाभी बबीता पर भी एक के बाद एक कई वार किए। फिर वहां से चाकू लहराते हुए फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घमापुर पुलिस को सूचना दी।

मजदूरी करता है दोहरे हत्याकांड का आरोपी

घमापुर थाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को ने बताया कि संजय चौधरी नमकीन का व्यापार करता था, जबकि बबलू मजदूरी करता है। शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है। आरोपी की तलाश कर रहे हैं।

प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज गृह ग्राम जैत में अपने भाई-बहनों और भांजे-भांजियों के साथ पौधा लगाया।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से सहायता के दिए निर्देश,कार्बाइड गन प्रभावितों से मिले अस्पताल में

मुख्यमंत्री ने हमीदिया हॉस्पिटल में बच्चों और नागरिकों के स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्बाइड गन से प्रभावितों से भोपाल हमीदिया हॉस्पिटल के ब्लॉक 2 की 11वीं मंजिल स्थित नेत्र रोग वार्ड में भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सा विशेषज्ञों से रोगियों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समुचित इलाज के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी कार्बाइड गन से प्रभावित बच्चों और नागरिकों के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से भी सहायता के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे प्रकरणों की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। घातक कार्बाइड गन के निर्माण और विक्रय को अवैध होने के नाते थाना स्तर पर छापामारी और जाँच की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

अधिकांश घायलों ने स्वयं उपयोग की कार्बाइड गन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारियलखेड़ा निवासी श्री प्रशांत मालवीय, गरीब नगर छोला के श्री करण पंथी, भानपुर के श्री आरिश और परवलिया सड़क के श्री अंश प्रजापति से भेंट की। इनमें अधिकांश किशोर हैं। श्री अंश प्रजापति ने बताया कि वे अन्य युवकों के कार्बाइड गन उपयोग करने से घायल हुए हैं। वहीं श्री प्रशांत, श्री करण और श्री आरिश ने स्वयं कार्बाइड गन का उपयोग करते हुए घायल होने की बात स्वीकार की।

परिजन ने उपचार पर संतोष व्यक्त किया

हमीदिया अस्पताल में दाखिल इन रोगियों के अभिभावकों ने भी परिवार के सदस्यों द्वारा कार्बाइड गन के उपयोग को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। रोगियों के परिजन ने हमीदिया अस्पताल में किए जा रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। श्री करण पंथी के परिवार ने कहा कि उन्होंने गरीब नगर में अन्य परिवारों को भी कार्बाइड गन का उपयोग न करने का परामर्श दिया है। अब सभी जागरूक हो चुके हैं और बस्ती में कोई भी इसका उपयोग नहीं कर रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के हमीदिया अस्पताल के अवलोकन के अवसर पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग श्री संदीप यादव और आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक कुमार सक्सेना उपस्थित थे।

पीएम मोदी की जनसभा में कई महिलाओं की ज्वेलरी गायब

न्यूज क्राइम फाइल

समस्तीपुर के दूधपूरा हवाई अड्डा मैदान पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान महिला गैलरी से कई महिलाओं के जेवर गायब हो गए। सभा के बाद कई महिलाएं रोती हुई बाहर निकली, जबकि गैलरी में भारी सुरक्षा व्यवस्था थी। इसके बावजूद महिलाओं के गले से ज्वेलरी गायब हो गई। विशनपुर बथुआ निवासी चांदनी देवी ने बताया कि मैं अपने गांव की आशा के साथ प्रधानमंत्री की सभा में आयी थी। मैं महिला गैलरी में बैठी थी। इसी दौरान कार्यकर्ता के वेश में बैठी महिला चोर ने उनके गले से दो चकती, ढोलना गले से कब उतार लिया, इसका पता ही नहीं चला। जब मेरा ध्यान गया तो पास में कार्यकर्ता बनकर बैठी महिला वहां नही दिखी,

उसी महिला ने ज्वेलरी की चोरी की है। चांदनी ने कहा कि जब महिला गैलरी में तैनात पुलिसकर्मी को जानकारी दी, तो उन्होंने मुझे भगा दिया और कहा कि झूठ बोल रही हो।

पीड़ित महिला बोली- तीन महीने पहले ही ज्वेलरी खरीदी थी

वहीं, चोरी की शिकार सिरोपट्टी गांव की रहने वाली रिंकू देवी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने पहुंची थी। जब पीएम मोदी की सभा चल रही थी, तब किसी ने मेरे गले से मंगलसूत्र, चकती और ढोलना चुरा लिया। तीन महीने पहले ही पति ने ज्वेलरी खरीदी थी। रोती हुई रिंकू देवी ने बताया कि यहां तैनात पुलिस को जानकारी दी। लेकिन पुलिस की ओर से कोई मदद नहीं मिली। गहना नहीं मिला तो घर पहुंचने पर पति डांटेंगे।

रिंकू और चांदनी देवी के अलावा भी कई महिलाओं ने मंगलसूत्र, सोने की चेन आदि की चोरी की बात कही है। सभी स्थल पर पुलिस की भारी संख्या में तैनाती के बावजिद चोरी इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिया है।

पुलिस पदाधिकारी ने क्या कहा ?

उधर, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने कहा कि अबतक किसी भी पीड़ित महिला की ओर से थाने में लिखित रूप से गहना चोरी होने की जानकारी नहीं दी गई है। पीड़िता की ओर से अगर आवेदन दिया जाता है तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और मामले की जांच पड़ताल की जाएगी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623